आयुर्वेद चिकित्सा की सफलतम पद्धति बनने की दिशा में अग्रसर: डॉ. सुरेंद्र जैन

● छात्राओं को दिया यू कैन गो बियोंड द स्काई का मंत्र

ऋषि की आवाज खानपुर कलां। आयुर्वेद अब पिछड़ेपन की निशानी नहीं, अपितु चिकित्सा की सफलतम पद्धति बनने की दिशा में अग्रसर है। वर्तमान समय आयुर्वेद का स्वर्णिम काल है और वैश्विक स्तर पर आयुर्वेद के प्रति रूझान बढ़ रहा है। आयुर्वेद को लेकर सामाजिक धारणाओं में सकारात्मक बदलाव आया है। ये उद्गार प्रतिष्ठित शिक्षाविद तथा विश्व हिंदू परिषद के अखिल भारतीय संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन ने बतौर मुख्य अतिथि भगत फूल सिंह महिला विवि के एमएसएम आयुर्वेद संस्थान में पीजी पाठ्यक्रम की नवागंतुक छात्राओं के आयोजित ट्रांसिशनल करिकुलम कार्यक्रम के समापन समारोह में व्यक्त किए। समापन सत्र की अध्यक्षता महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं धनवंतरी वंदना के साथ किया गया।
अपने प्रेरणादायी संबोधन में डॉ. सुरेंद्र जैन ने वर्तमान समय व आवश्यकता के अनुसार आयुर्वेद के क्षेत्र में उच्च स्तरीय शोध की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने छात्राओं को अपने ज्ञान का दायरा विस्तृत करते हुए अधिक से अधिक सीखने के लिए प्रेरित किया। पंचकर्म सहित अन्य आयुर्वेदिक पद्धतियों के कारण चलन में आए मेडिकल टूरिज्म पर भी उन्होंने चर्चा की। उन्होंने कहा कि हम सभी कोरोना काल में आयुर्वेद के महत्व से बखूबी परिचित हो चुके हैं। मुख्य अतिथि ने भारत की महान ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए छात्राओं को यू कैन गो बियोंड द स्काई का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के बाद देश को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए विकसित भारत@2047 का संकल्प लिया गया है, जिसमें युवा पीढ़ी का विशेष योगदान रहेगा। उन्होंने भारत को विश्व की प्राचीनतम संस्कृति बताते हुए देश के प्रति गौरवपूर्ण व स्वाभिमान से भरपूर सोच विकसित करने का आह्वान किया। महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने छात्राओं को भारत की प्रगति के नए आयाम छूने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प में अपना हर संभव योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने आयुर्वेद को आगे बढ़ाने के लिए ज्ञान के साथ-साथ व्यवस्था स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

MYFITNESS PEANUT BUTTER
Rs549 Rs579 Rs279 Rs279 Rs549 Rs559

Play / Stop Audio

आयुर्वेद चिकित्सा की सफलतम पद्धति बनने की दिशा में अग्रसरः डॉ. सुरेंद्र जैन

छात्राओं को दिया "यू केन गो बियोंड द स्काई" का मंत्र।

Girish Saini Dec 4, 2024 08:28 0

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। आयुर्वेद अब पिछड़ेपन की निशानी नहीं, अपितु चिकित्सा की सफलतम पद्धति बनने की दिशा में अग्रसर है।

Hasnain's parents can't save him from cancer alone. Please help him! DONATE NOW

सुदेश ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं धनवंतरी वंदना के साथ किया गया।

अपने प्रेरणादायी संबोधन में डॉ. सुरेंद्र जैन ने वर्तमान समय व आवश्यकता के अनुसार आयुर्वेद के क्षेत्र में उच्च स्तरीय शोध की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने छात्राओं को अपने ज्ञान का दायरा विस्तृत करते हुए अधिक से अधिक सीखने के लिए प्रेरित किया। पंचकर्म सहित अन्य आयुर्वेदिक पद्धतियों के कारण चलन में आए मेडिकल टूरिज्म पर भी उन्होंने चर्चा की। उन्होंने कहा कि हम सभी कोरोना काल में आयुर्वेद के महत्व से बखूबी परिचित हो चुके हैं।

मुख्य अतिथि ने भारत की महान ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए छात्राओं को "यू कैन गो बियोंड द स्काई" का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के बाद देश को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए 'विकसित भारत@2047' का संकल्प लिया गया है, जिसमें युवा पीढ़ी का विशेष योगदान रहेगा। उन्होंने भारत को विश्व की प्राचीनतम संस्कृति बताते हुए देश के प्रति गौरवपूर्ण व स्वाभिमान से भरपूर सोच विकसित करने का आह्वान किया।

महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि भारत के गौरवशाली इतिहास को पुनर्स्थापित करने के लिए वर्तमान से बेहतर समय नहीं है। उन्होंने छात्राओं को भारत की प्रगति के नए आयाम छूने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प में अपना हर संभव योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने आयुर्वेद को आगे बढ़ाने के लिए ज्ञान के साथ-साथ व्यवस्था स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने छात्राओं को नव संकल्प व ऊर्जा के साथ आयुर्वेद की विकास यात्रा का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रारंभ में संस्थान के प्राचार्य डॉ. सत्य प्रकाश गौतम ने स्वागत संबोधन किया। आयोजन सचिव डॉ. ए.पी. नायक ने इस 15 दिवसीय कार्यक्रम की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रतिभागी छात्राओं ने कार्यक्रम के दौरान के अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम संचालन डॉ. मीनाक्षी एवं डॉ. नेहा ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ. नरेश भार्गव ने किया। सम्मानित अतिथियों को सत्यार्थ प्रकाश की प्रति, पौधा एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। इस दौरान संस्थान के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्राएं मौजूद रही।

Tags: Ayurveda | successful system | medicine

RELATED POSTS

दिव्यांग व्यक्ति सहायक उपकरणों के लिए रेडक्रॉस सोसायटी...

एलीवेटिड रेलवे ट्रेक के दोनों ओर बनाई जाएगी 15-15 फुट चौड़ी...

राष्ट्रीय युवा महोत्सव 11 व 12 जनवरी 2025 कोः उपायुक्त...

COMMENTS

Name
Email
Comment
I'm not a robot
Post Comment

POPULAR POSTS
Weekly Posts
Drug-Free Punjab Cycle Rally reached Jalandhar
Himachal CM seeks special industrial package
6th Edition of Amateur Golfers Society Golf Tournament...
B.R. Chowdhri Gold Medal Ceremony: Honouring excellence...
Malaika and Geeta Clash Over Performance Styles: A Tense...

Hasnain's parents can't save him from cancer alone. Please help him! DONATE NOW

Linkedin | Youtube | Email

Hasnain's parents can't save him from cancer alone. Please help him! DONATE NOW

RECOMMENDED POSTS

Opinion
Both Kejriwal, Gandhiji went to jail for a cause: AAP leader...

Exposed after Biden pardons son, 'vulnerable' US justice...
Rahul Gandhi does not have faith in Constitution: Gourav...
Resisting the new colonial masters: How India's sovereignty...
Vikrant Massey talks about responsibility of media as the...
Your love for sarees may raise risk of skin cancer, warns...

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

HARYANA Tribune 02
THURSDAY | 5 DECEMBER 2024

RUBAL SELECTED AS CIVIL JUDGE

Sonepat: Rubal, a student of Law Department of Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya, Khanpur Kalan, has been selected as a Civil Judge in Rajasthan Judicial Services. Prof Sudesh, the Vice- Chancellor of BPSMV, commended Rubal on her accomplishment and stated that it would encourage other students to do their best. VC Sudesh honored Rubal by presenting a copy of Satyarth Prakash and a memento. Rubal, a BA-LLB student of 2017-2022 batch, secured 76th rank in the judiciary exam. She attributed this success to her parents and teachers. Officiating Registrar Shweta Singh; HOD, Law Department, Seema Dahiya; Rubal's mother Preeti and other family members were present on the occasion. Later, during a discussion with students, Rubal spoke about the difficulties encountered during preparation for competitive exams.

पंजाब केसरी
THU,05 DECEMBER 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

डॉ. जैन ने छात्राओं को दिया 'यू कैन गो बियोंड द स्काई' का मंत्र

डॉ. सुरेंद्र जैन को सम्मानित करते हुए वी.सी. प्रो. सुदेश। (अरोड़ा)

गोहाना, 4 दिसम्बर (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के एम.एस.एम. आयुर्वेद संस्थान में पी.जी. पाठ्यक्रम की नवागंतुक छात्राओं के लिए आयोजित 15 दिवसीय ट्रांजिशनल करिकुलम कार्यक्रम बुधवार को सम्पन्न हो गया। समापन सत्र में विश्व हिंदू परिषद के अखिल भारतीय संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन पहुंचे।

डॉ. जैन ने भारत की महान ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए छात्राओं को 'यू कैन गो बियोंड द स्काई' का मंत्र दिया। अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने की।

डॉ. सुरेंद्र जैन ने कहा कि वैश्विक स्तर पर आयुर्वेद के प्रति रुझान बढ़ रहा है। आयुर्वेद को लेकर सामाजिक धारणाओं में सकारात्मक बदलाव आया है।

अब आयुर्वेद पिछड़ेपन की निशानी नहीं, अपितु चिकित्सा की सफलतम पद्धति बनने की दिशा में अग्रसर है। हम सभी कोरोना काल में आयुर्वेद के महत्व से बखूबी परिचित हो चुके हैं।

डॉ. सुरेंद्र जैन ने वर्तमान समय और आवश्यकता के अनुसार आयुर्वेद के क्षेत्र में उच्च स्तरीय शोध की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने छात्राओं को अपने ज्ञान का दायरा विस्तृत करते हुए अधिक से अधिक सीखने के लिए प्रेरित किया।

वी.सी. प्रो. सुदेश ने कहा कि भारत के गौरवशाली इतिहास को पुनर्स्थापित करने के लिए वर्तमान से बेहतर समय नहीं है। उन्होंने छात्राओं को नव संकल्प व ऊर्जा के साथ आयुर्वेद की विकास यात्रा का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित किया।

केंद्रीय आयुर्वैदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सी.सी.आर.ए.एस.) की स्पार्क योजना के तहत शोध के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाली छात्राओं को भी सम्मानित किया गया।

आयुर्वेद में उच्चस्तरीय शोध की आवश्यकता कोरोना काल में पता चला महत्व : डा. जैन

वि., गोहाना : विश्व हिंदू परिषद के अखिल भारतीय संयुक्त महामंत्री डा. सुरेंद्र जैन ने कहा कि वर्तमान समय व आवश्यकता के अनुसार आयुर्वेद के क्षेत्र में उच्चस्तरीय शोध की आवश्यकता है। छात्राएं अपने ज्ञान का दायरा विस्तृत करते हुए अधिक से अधिक सीखें। वे भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के एमएसएम आयुर्वेद संस्थान में पीजी पाठ्यक्रम की छात्राओं के लिए आयोजित 15 दिवसीय ट्रांसिशनल करिकुलम कार्यक्रम के समापन पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधन कर रहे थे। अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने की।

डा. सुरेंद्र जैन ने वर्तमान को आयुर्वेद का स्वर्णिम काल बताते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर आयुर्वेद के प्रति रूझान बढ़ रहा है। आयुर्वेद को लेकर सामाजिक धारणाओं में सकारात्मक बदलाव आया है। अब आयुर्वेद पिछड़ेपन की निशानी नहीं,

विश्वविद्यालय में मुख्य अतिथि डा . सुरेंद्र जैन विचार व्यक्त करते हुए • सौ. विश्वविद्यालय

अपितु चिकित्सा की सफलतम पद्धति बनने की दिशा में अग्रसर है। हम सभी कोरोना काल में आयुर्वेद के महत्व से बखूबी परिचित हो चुके हैं। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि भारत के गौरवशाली इतिहास को फिर से स्थापित करने के लिए अब बेहतर समय है। उन्होंने छात्राओं को भारत की प्रगति के नए आयाम छूने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प में अपना हर संभव योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की स्पार्क योजना के तहत शोध के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर कालेज के प्राचार्य डा. सत्यप्रकाश गौतम, डा. एपी नायक, डा. मीनाक्षी, डा. नेहा, डा. नरेश भार्गव रहे।

आयुर्वेद पिछड़ेपन की निशानी नहीं : डॉ. सुरेंद्र

गोहाना | शिक्षाविद तथा विश्व हिंदू परिषद के अखिल भारतीय संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन ने कहा कि वैश्विक स्तर पर आयुर्वेद के प्रति रुझान बढ़ रहा है। आयुर्वेद को लेकर सामाजिक धारणाओं में सकारात्मक बदलाव आया है। अब आयुर्वेद पिछड़ेपन की निशानी नहीं, बल्कि चिकित्सा की सफलतम पद्धति बनने की दिशा में अग्रसर है। हम सभी कोरोना काल में आयुर्वेद के महत्व से बखूबी परिचित हो चुके हैं। वे बीपीएस महिला विवि के आयुर्वेद संस्थान में पीजी पाठ्यक्रम की नवागंतुक छात्राओं के लिए आयोजित 15 दिवसीय ट्रांसिशनल करिकुलम कार्यक्रम के समापन पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। डॉ. सुरेंद्र जैन ने वर्तमान समय व आवश्यकता के अनुसार आयुर्वेद के क्षेत्र में उच्च स्तरीय शोध की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि भारत के गौरवशाली इतिहास को पुनर्स्थापित करने के लिए वर्तमान से बेहतर समय नहीं है। उन्होंने छात्राओं को भारत की प्रगति के नए आयाम छूने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प में अपना हर संभव योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर संस्थान के प्राचार्य डॉ. सत्य प्रकाश गौतम, डॉ. मीनाक्षी, डॉ. नेहा आदि मौजूद रहे।

धारणाओं में आया सकारात्मक बदलाव

गोहाना। गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह (बीपीएस) महिला विश्वविद्यालय के माडू सिंह मेमोरियल (एमएसएम) आयुर्वेद संस्थान में पीजी पाठ्यक्रम की छात्राओं के लिए 15 दिवसीय ट्रांसिशनल करिकुलम कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिक्षाविद एवं विश्व हिंदू परिषद के अखिल भारतीय संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने की। मुख्य अतिथि डॉ. सुरेंद्र जैन ने बताया कि वैश्विक स्तर पर आयुर्वेद के प्रति रुझान बढ़ रहा है। आयुर्वेद को लेकर सामाजिक धारणाओं में सकारात्मक बदलाव आया है। अब आयुर्वेद पिछड़ेपन की निशानी नहीं, बल्कि चिकित्सा की सफलतम पद्धति बनने की दिशा में अग्रसर है। संवाद

भ्रमण के दौरान कन्या गुरुकुल की छात्राओं का दल।

बीपीएस विश्वविद्यालय की छात्रों के दल ने किया शैक्षणिक भ्रमण

गोहाना, 4 दिसम्बर (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं के एक दल ने अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में कुरुक्षेत्र का एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण किया। कुलपति प्रो सुदेश ने अपने संदेश में इस शैक्षणिक भ्रमण के आयोजन की सराहना करते हुए कन्या गुरुकुल प्रशासन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन छात्राओं के बौद्धिक व आध्यात्मिक ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें अपनी विरासत व संस्कृति से जोड़े रखने में भी सहायक हैं।कन्या गुरुकुल की प्राचार्या सुमिता सिंह ने बताया कि इस शैक्षणिक भ्रमण में कक्षा नौवीं से बारहवीं तक की छात्राएं शामिल रही। इस दौरान छात्राओं ने पैनोरमा एवं विज्ञान केंद्र, श्रीकृष्ण संग्रहालय, धरोहर संग्रहालय और ज्योतिसर तीर्थ का भ्रमण किया तथा ज्ञान-विज्ञान, भारतीय संस्कृति, हरियाणवी विरासत एवं इतिहास की जानकारी प्राप्त की।

अजीत समाचार
05-Dec-2024
Page: 11
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
http://www.ajitsamachar.com/20241205/27/11/1_1.cms

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat 05.12.2024 - 05 Dec 2024 - Page 4

गोहाना। दीप प्रज्वलन के साथ शुभारंभ करते अतिथिगण।

विश्व स्तर पर बढ़ रहा आयुर्वेद का रूझान : डॉ. सुरेंद्र

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के एमएसएम आयुर्वेद संस्थान में पीजी पाठ्यक्रम की नवागंतुक छात्राओं के लिए आयोजित 15 दिवसीय ट्रांसिशनल करिकुलम कार्यक्रम बुधवार संपन्न हो गया। अध्यक्षता विश्वविद्याल की कुलपति प्रो. सुदेश ने की। समापन सत्र का पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलित करके धनवंतरी वंदना से शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. सुरेंद्र जैन ने वर्तमान समय को आयुर्वेद का स्वर्णिम काल बताया। वे बोले कि वैश्विक स्तर पर आयुर्वेद के प्रति रूझान बढ़ रहा है। आयुर्वेद को लेकर सामाजिक धारणाओं में सकारात्मक बदलाव आया है। अब आयुर्वेद पिछड़ेपन की निशानी नहीं, अपितु चिकित्सा की सफलतम पद्धति बनने की दिशा में अग्रसर है। हम सभी कोरोना काल में आयुर्वेद के महत्व से बखूबी परिचित हो चुके हैं। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि भारत के गौरवशाली इतिहास को पुनः स्थापित करने के लिए वर्तमान से बेहतर समय नहीं है। उन्होंने छात्राओं को भारत की प्रगति के नए आयाम छूने के लिए मोदी के विकसित भारत के संकल्प में अपना हर संभव योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. सत्य प्रकाश गौतम, डॉ. ए.पी. नायक, डॉ. मीनाक्षी, डॉ. नेहा व डॉ. नरेश भार्गव मौजूद रहे।

छात्राओं को दिया 'यू कैन गो बियोंड द स्काई' का मंत्र

आयुर्वेद चिकित्सा की सफलतम पद्धति बनने की दिशा में अग्रसर : डॉ. सुरेंद्र जैन

खानपुर कलां, चेतना संवाददाता। आयुर्वेद अब पिछड़ेपन की निशानी नहीं, अपितु चिकित्सा की सफलतम पद्धति बनने की दिशा में अग्रसर है। वर्तमान समय आयुर्वेद का स्वर्णिम काल है और वैश्विक स्तर पर आयुर्वेद के प्रति रूझान बढ़ रहा है। आयुर्वेद को लेकर सामाजिक धारणाओं में सकारात्मक बदलाव आया है। ये उद्गार प्रतिष्ठित शिक्षाविद तथा विश्व हिंदू परिषद के अखिल भारतीय संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन ने बतौर मुख्य अतिथि भगत फूल सिंह महिला विवि के एमएसएम आयुर्वेद संस्थान में पीजी पाठ्यक्रम की नवागंतुक छात्राओं के आयोजित ट्रांसिशनल करिकुलम कार्यक्रम के समापन समारोह में व्यक्त किए। समापन सत्र की अध्यक्षता महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं धनवंतरी वंदना के साथ किया गया। अपने प्रेरणादायी संबोधन में डॉ. सुरेंद्र जैन ने वर्तमान समय व आवश्यकता के अनुसार आयुर्वेद के क्षेत्र में उच्च स्तरीय शोध की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने छात्राओं को अपने ज्ञान का दायरा विस्तृत करते हुए अधिक से अधिक सीखने के लिए प्रेरित किया। पंचकर्म सहित अन्य आयुर्वेदिक पद्धतियों के कारण चलन में आए मेडिकल टूरिज्म पर भी उन्होंने चर्चा की। उन्होंने कहा कि हम सभी कोरोना काल में आयुर्वेद के महत्व से बखूबी परिचित हो चुके हैं।

मुख्य अतिथि ने भारत की महान ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए छात्राओं को ÷यू कैन गो बियोंड द स्काई÷ का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के बाद देश को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए विकसित भारत-2047 का संकल्प लिया गया है, जिसमें युवा पीढ़ी का विशेष योगदान रहेगा। उन्होंने भारत को विश्व की प्राचीनतम संस्कृति बताते हुए देश के प्रति गौरवपूर्ण व स्वाभिमान से भरपूर सोच विकसित करने का आह्वान किया।

महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि भारत के गौरवशाली इतिहास को पुनर्स्थापित करने के लिए वर्तमान से बेहतर समय नहीं है। उन्होंने छात्राओं को भारत की प्रगति के नए आयाम छूने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प में अपना हर संभव योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने आयुर्वेद को आगे बढ़ाने के लिए ज्ञान के साथ-साथ व्यवस्था स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने छात्राओं को नव संकल्प व ऊर्जा के साथ आयुर्वेद की विकास यात्रा का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित किया।